Raj Express (Indore), 12th January 2026, Page – 04

नवाचार

आईआईटी इंदौर में दिशा 2.0 से भारत का डिजिटल हेल्थकेयर इनोवेशन इकोसिस्टम मजबूत

आईआईटी इंदौर का डिजिटल हेल्थ केयर सिस्टम तैयार

● इंदौर / राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर नए अनुसंधान, नवाचार के लिए लगातार कार्य कर रहा है। बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं, नए अनुसंधान आदि व्यवस्थाओं में डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ने के लिए डिजिटल हेल्थ केयर सिस्टम तैयार किया है, जो चिकित्सा के नवाचारों को ओर ज्यादा बेहतर बनाएगा। इससे नए अनुसंधान को भी बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में उभरती डिजिटल हेल्थकेयर प्रौद्योगिकियों, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों, चिकित्सक-इनोवेटर इंटरेक्शन और बौद्धिक संपदा और व्यावसायीकरण पर सत्र पर पैनल चर्चा भी शामिल थी। दिशा 2.0 (डेवलपिंग इनोवेशंस फॉर सक्सेसफुल हार्नेसिंग एंड एडॉप्शन), जो कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स (एनएम-आईसीपीएस) के तहत आईआईटी इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन- टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन रिसर्च पार्क (डिजिटल हेल्थकेयर) की ओर से कार्यान्वित एक प्रमुख डिजिटल हेल्थकेयर नवाचार सहायता कार्यक्रम है। देश में स्केलेबल और परिनियोजन योग्य हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सफल आयोजन, पुरस्कार समारोह

संस्थान में प्रवर्तकों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं की उपस्थिति में दिशा 2.0 पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था। समारोह के माध्यम से उत्कृष्ट स्टार्टअप, परियोजनाओं और फैलो को उनकी नवाचार उत्कृष्टता, स्केलेबिलिटी और संभावित सामाजिक प्रभाव के लिए सम्मानित किया गया। आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन और डीएसटी, भारत सरकार की उच्च प्रभाव वाले डिजिटल स्वास्थ्य नवाचारों को बढ़ावा देने और अनुसंधान से वास्तविक दुनिया में प्रयोग में लाने की उनकी यात्रा का समर्थन करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

286 आवेदन मिले, 21 स्टार्टअप, 29 परियोजनाओं का चयन

कार्यक्रम संरचित परामर्श, प्रौद्योगिकी सत्यापन, बौद्धिक संपदा सुविधा और व्यावसायीकरण मार्गदर्शन के माध्यम से संकाय सदस्य के नेतृत्व वाले अनुसंधान, छात्र नवाचारों और डीपीआईआईटी-पंजीकृत स्टार्टअप की सहायता करता है, जो वास्तविक दुनिया के स्वास्थ्य देखभाल समाधानों में अनुसंधान परिणामों के स्थानांतरण को सक्षम बनाता है। दिशा 2.0 को पूरे भारत से 286 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 21 स्टार्टअप और 29 परियोजनाओं का चयन किया गया। इसके अलावा स्टार्टअप और परियोजनाओं में लगभग 15 करोड़ रुपए की समग्र फंडिंग सहायता के साथ 6 फैलोशिप प्रदान की गईं। आईआईटी इंदौर की कई पहलों का समर्थन किया गया, जो डिजिटल हेल्थकेयर इनोवेशन में संस्थान की भूमिका को और मजबूत करते हैं।

स्वास्थ्य समाधान में बदलने की प्रतिबद्धता का उदाहरण

आईआईटी इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के निदेशक मंडल के अध्यक्ष और संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सुहास एस. जोशी ने स्थानांतरणीय अनुसंधान और सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा दिशा 2.0 शैक्षणिक अनुसंधान को प्रभावशाली स्वास्थ्य समाधान में बदलने की हमारी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। शिक्षाविदों, चिकित्सकों और उद्योग को एक साथ लाकर, कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप एक मजबूत और सतत् डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद कर रहा है। मुख्य भाषण लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (से.नि.), पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, डायरेक्टर, एम्स रायपुर ने दिया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा पहुंच और नैदानिक परिणामों में सुधार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा एनालिटिक्स जैसी डिजिटल प्रौद्योगिकियों की बढ़ती भूमिका पर बात की।